तर्ज-एहसान तेरा होगा मुझ पर

गुण अपने धनी के याद करो,
तुम चरण पिया के दिल में धरो
इन चरणों से ही निसवत है,
निसवत की तुम पहचान करो
1- एक गुण जो याद आवे,
अरवा तब हीं निकस के जावे
परआतम के सुख अपने वो,
जो भूल गए उन्हें याद करो
2- गुण अनगिन हैं गिन नहीं पाए,
पिया के गुण तो बढ़ते जायें
सुख अर्श के वाणी में लाए,
वो अपने सुख अब याद करें
3- जाग देखो ये सुख जागनी,
आप जगायें धाम धनी
आंखे अपनी रूह की खोलें,
न पल भर की अब देर करें

Nijanand App